

भूजल संरक्षण

प्रलिस के लयि:

हरति क्रांति, राषट्रीय सकल घरेलू उत्पाद, नयूनतम समर्थन मूल्य, यूनेस्को

मेन्स के लयि:

भूजल की कमी का कारण और इसके प्रभाव

चर्चा में क्यों?

भारत सचिाई के लयि मुख्य रूप से भूजल पर नरिभर है और यह भूजल की कुल वैश्वकि मात्रा के एक बड़े हसिसे का उपयोग कर रहा है। भारत में लगभग 70% खाद्य उत्पादन नलकूपों (सचिाई के लयि प्रयुक्त कुएँ) की मदद से कयिा जाता है।

- हालाँकि भूजल पर यह अत्यधिक नरिभरता भूजल संकट को जन्म दे रही है। भूजल संरक्षण हेतु एक समग्र कार्ययोजना की आवश्यकता है।

प्रमुख बडि

- **यूनेस्को की वशि्व जल वकिस रपिरट, 2018 के अनुसार, भारत वशि्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोग करने वाला देश है।**
 - भारत में सचिाई के लयि कुओं के नरिमाण हेतु कसिी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती है और बंद पड़े या सचिाई में प्रयोग न होने वाले कुओं का कोई रकिॉर्ड नहीं रखा जाता है।
 - भारत में प्रतदिनि कई सौ कुओं का नरिमाण कयिा जाता है और जल सूखने पर छोड़े जाने वाले कुओं की संख्या और भी अधिक है।
 - **राषट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में भूजल के योगदान को कभी भी मापा नहीं जाता है।**
 - केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी, जल शक्ति मंत्रालय) के अनुसार, भारत में कृषि भूमि की सचिाई हेतु हर वर्ष 230 बलियन मीटर क्यूबकि भूजल का उपयोग होता है, देश के कई हसिसों में भूजल का तेज़ी से क्षरण हो रहा है।
 - भारत में कुल अनुमानति भूजल की कमी 122-199 बलियन मीटर क्यूबकि की सीमा में है।
- **भूजल की कमी का कारण:**
 - सीमति सतही जल संसाधनों के साथ घरेलू, औद्योगिक और कृषि ज़रूरतों की बढ़ती मांग।
 - कठोर चट्टानी भूभाग के कारण सीमति भंडारण सुवधियाओं के साथ ही वर्षा की कमी के अतरिकित भूजल का नुकसान, वशिष रूप से मध्य भारतीय राज्यों में।
 - **हरति क्रांति** के कारण सूखा प्रवण/पानी की कमी वाले क्षेत्नों में जल गहन फसलों को उगाने की ज़रूरतों पर बल देना, जसिसे भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ।
 - इससे जल की पुनः पूरति कयि बनिा ज़मीन से पानी को बार-बार पंप करने से भूजल की मात्रा में त्वरति कमी आती है।
 - पानी की अधिक खपत वाली फसलों के लयि बजिली और उच्च **नयूनतम समर्थन मूल्य** पर सब्सिडी।
 - लैंडफलि, सेप्टिक टैंक, भूमगित गैस टैंक से रसिाव और उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से भूजल संसाधनों की क्षति तथा कमी के कारण होने वाला जल प्रदूषण।
 - बनिा कसिी हरजाने के भूजल का अपर्याप्त वनियमन भूजल संसाधनों के अधिक उपयोग को प्रोत्साहति करता है।
 - वनों की कटाई, कृषि के अवैज्ञानिक तरीके, उद्योगों के रासायनिक अपशिष्ट, स्वच्छता की कमी से भी भूजल प्रदूषण होता है, जसिसे यह अनुपयोगी हो जाता है।
- **भूजल की समस्या और महिलाओं पर इसका प्रभाव:**
 - महिलाएँ सचिति कृषि में कृषि श्रम शक्ति का बड़ा हसिसा होती हैं लेकनि इस प्रकार के नविश में उनकी कोई नरिणायक भूमिका नहीं होती है।
 - इसके अलावा भूमिके अपने अधिकार, प्राकृतिक संसाधनों और बैंकों तक पहुँच में कमी, उनके पास इस अन्याय से लड़ने के लयि आवश्यक कानूनी समर्थन नहीं है।
 - हालाँकि महिलाएँ भूजल संकट से पहले उत्तरदाताओं के रूप में उभरी हैं और पीने के पानी की कमी को दूर करने, वैकल्पिक आजीविका खोजने तथा कृषि एवं परिवार के जल नरिवहन के लयि ज़मिमेदार हैं।
- **भूजल संरक्षण हेतु सरकारी पहल:**

- अटल भूजल योजना
- राष्ट्रीय जलभूत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम

आगे की राह:

■ भूजल संरक्षण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका:

- फसल योजनाओं, पानी की मांग और 'क्रॉप फुटप्रिंट' पर महिलाओं का नरिणय पुरुषों से अलग है।
- चपिको आंदोलन के दौरान महिलाओं और पुरुषों द्वारा वपिरित मूल्यों पर आधारित प्रदर्शन किया गया। महिलाओं ने पर्यावरण की रक्षा में मदद करने के लिये पेड़ों की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध से कम की मांग नहीं की, जबकि उनके पुरुष समकक्षों ने आजीविका के बदले नयितरति 'लॉगिंग' को स्वीकार किया।
- चपिको आंदोलन ने महिला समूहों को सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं के खिलाफ अपराध और अन्य स्थानीय मुद्दों से जुड़ी रोजमर्रा की चिंताओं पर बोलने तथा अधिकारियों का सामना करने के लिये प्रेरित किया।

■ वनियमिति पंपगि:

- अनुमोदित फसल योजना के आधार पर प्रत्येक खेत के लिये भूजल पंपगि को सीमित करना।
- नदी बेसिन तक की वभिन्न इकाइयों में वार्षिक भूजल लेखा परीक्षा आयोजित करना।

■ स्थानीय शासन का प्रवर्तन:

- ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र को फरि से स्थापित करने, स्थानीय संस्थानों को मज़बूत करने और स्थानीय शासन का प्रयोग करने से भूजल संरक्षण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- पूरी मूल्य शृंखला के प्रबंधन हेतु ज़म्मेदार महिलाओं की समान भागीदारी के साथ गाँवों में छोटे किसानों को पंजीकृत नकियों के रूप में संगठित करना।

स्रोत- डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/groundwater-conservation>

